CBSE Class–10 Hindi
NCERT Solutions
Kshitij Chapter - 7
Girija Kumar Mathur

---

1. कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है ?

उत्तर:- कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात इसलिए कही है क्योंकि यही सत्य है। कवि कहते हैं कि भूली-बिसरी यादें या भविष्य के सपने मनुष्य को हमेशा दुखी करते हैं। हम यदि जीवन की कठिनाइयों व दु:खों का सामना न कर उनको अनदेखा करने का प्रयास करेंगे तो हम स्वयं किसी मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकते। मनुष्य को जीवन की कठिनाइयों को यथार्थ भाव से स्वीकार कर उनसे मुँह न मोड़कर उनके प्रति सकारात्मक भाव से सामना करना चाहिए तभी स्वयं की भलाई के साथ अन्य की भलाई की जा सकती है, नहीं तो सब मिथ्या है।

---

2. भाव स्पष्ट कीजिए -प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है, हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

उत्तर:- प्रसंग - प्रस्तुत पंक्ति प्रसिद्ध कवि गिरिजाकुमार माथुर द्वारा रचित 'छाया मत छूना' नामक कविता से ली गई है।

भाव - भाव यह है बड़प्पन का एहसास, महान होने का सुख भी एक छलावा है। मनुष्य सदैव प्रभुता व बड़प्पन के कारण अनेक प्रकार के भ्रमों में उलझ जाता है। जिससे हज़ारों शंकाओ का जन्म होता है। इसलिए उसे इन प्रभुता के फेर में न पड़कर स्वयं के लिए उचित मार्ग का चयन करना चाहिए। सुख और दुःख दोनों भावों को समान रुप से जीकर ही हम उचित मार्ग का चयन कर सकते हैं न कि प्रभुता की मृगतृष्णा में फँसकर। हर प्रकाशमयी (चाँदनी) रात के अंदर काली घनी रात छुपी होती है। अर्थात् सुख के बाद दुख का आना तय है।

---

3. 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?

उत्तर:- 'छाया मत छूना' कविता में छाया शब्द का प्रयोग अतीत की सुखद अनुभूति के लिए किया गया है। कवि ने मानव की कामनाओं-लालसाओं के पीछे भागने की प्रवृत्ति को दुखदायी माना है। हम विगत स्मृतियों के सहारे नहीं जी सकते, हमें वर्तमान में जीना है। अपने वर्तमान के कठिन पलों को बीते हुए पलों की स्मृति के साथ जोड़ना हमारे लिए बहुत कष्टपूर्ण हो जाता है।अतीत की वह मधुर स्मृति हमें कमज़ोर बनाकर हमारे वर्तमान के दुख को और भी कष्टदायक बना देती है,इसलिए इन्हें छूने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

---

4. कविता में विशेषण के प्रयोग से शब्दों के अर्थ में विशेष प्रभाव पड़ता है, जैसे कठिन यथार्थ। कविता में आए ऐसे अन्य उदाहरण छाँटकर लिखिए और यहभी लिखिए कि इससे शब्दों के अर्थ में क्या विशिष्टता पैदा हुई?

उत्तर:- (1) दुख दूना - यहाँ दुख दूना में दूना (विशेषण) शब्द के द्वारा दुख की अधिकता व्यक्त की गई है।

(2) जीवित क्षण - यहाँ जीवित (विशेषण) शब्द के द्वारा क्षण को चलयमान अर्थात् उसके जीवंत होने को दिखाया गया है।

(3) सुरंग-सुधियाँ - यहाँ सुरंग (विशेषण) शब्द के द्वारा सुधि (यादों) का रंग-बिरंगाअर्थात सुखद होना दर्शाया गया है।

---

(4) एक रात कृष्णा - यहाँ एक कृष्णा (विशेषण) शब्द द्वारा रात की कालिमा अर्थात अंधकार को दर्शाया गया है।
(5) शरद रात - यहाँ शरद (विशेषण) शब्द चाँदनी रात की मोहकता को उजागर कर रहा है।
(6) रस बसंत - यहाँ रस (विशेषण) शब्द बसंत को और अधिक रसीला, मनमोहक और मधुर बना रहा है।

5. 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं, कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?
उत्तर:- गर्मी की चिलचिलाती धूप में रेत के मैदान पर दूर पानी की चमक दिखाई देती है और जब हम वहाँ जाकर देखते हैं तो कुछ नहीं मिलता , प्रकृति के इसी भ्रामक रूप को 'मृगतृष्णा' कहा जाता है। इसका प्रयोग कविता में प्रभुता की खोज में भटकते हुए लोगों के संदर्भ में हुआ है। इसी तृष्णा में फँसकर मनुष्य हिरन की भाँति भ्रम में उसके पीछे दौड़ता रहता है लेकिन उसे कुछ भी हासिल नहीं होता।

6. 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि ले' यह भाव कविता की किस पंक्ति में झलकता है?
उत्तर:- जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
इन पंक्तियों में 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि ले' का भाव झलकता है।

7. कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:- 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने मानव की कामनाओं-लालसाओं के पीछे भागने की प्रवृत्ति को दुखदायी माना है क्योंकि इसमें अतृप्ति,असफलता के सिवाय कुछ नहीं मिलता। हम विगत की सुखद स्मृतियों के सहारे जी नहीं सकते, हमें वर्तमान में जीना है जो हमेशा कठिन होता है। दुविधाग्रस्त मन:स्थिति व समयानुकूल आचरण न करने से भी जीवन में दुख आ सकता है। व्यक्ति प्रभुता या बड़प्पन में उलझकर स्वयं को दुखी करता है।कवि ने इन कारणों से दूर रह कर सिर्फ वर्तमान का सामना करने को कहा है।

• रचना और अभिव्यक्ति
1. 'जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी', से कवि का अभिप्राय जीवन की मधुर स्मृतियों से है। आपने अपने जीवन की कौन-कौन सी स्मृतियाँ संजो रखी हैं ?
उत्तर:- मेरे जीवन की मधुर स्मृतियाँ इस प्रकार है -
- मेरी दादी के द्वारा बचपन में सुनाई गई कहानियाँ।
- विद्यालय में मिला पहला पुरस्कार।
- माता-पिता के साथ की गई वृन्दावन की यात्रा।

2. क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?' कवि का मानना है कि समय बीत जाने पर भी उपलब्धि मनुष्य को आनंद देती है। क्या आप ऐसा मानते हैं?तर्क सहित लिखिए।
उत्तर:- 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने आशावादी स्वर मुखरित किया है। कवि कहते हैं कि क्या हुआ यदि शरद की रातों में चाँद नहीं निकलता, क्या हुआ खुशी तब आई जब वसंत की ऋतु चली गई? मेरे विचार से यह उचित है, हमें अपने वर्तमान में जो मिलता है उसे खुली बाँहों से स्वीकार कर बीते सुख को भुला कर वर्तमान में जीना चाहिए।